वर्ष :: 33 अंक : 27
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

प्रकाशन का 33 वां वर्ष

/mithilavarnan

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें-
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

बोकारो :: रविवार, 02 अप्रैल, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

बोकारो : हर दिशा में भगवा झंडा और गगनभेदी जयघोष करते लोगों की यह विहंगम तस्वीर बोकारो के एनएच की है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव का पावन पर्व रामनवमी बोकारो, उपशहर चास सहित पूरे जिले में पूरे धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ। शहर से गांव तक जगह-जगह भव्य जुलूस निकाले गए। एक तरफ जहां मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा, वहीं दूसरी तरफ जोशो-खरोश भी परवान पर दिखा। जुलूस के दौरान युवाओं के साथ-साथ महिलाओं और बुजुर्गों ने भी पारम्परिक अस्त्र-शस्त्र चलाने की कला प्रदर्शित की। उनके हैरतअंगेज कारनामे देख लोग दांतों तले उंगली दबाने को विवश हो गए। माथे पर भगवा साफा, कंधे पर केसरिया अंगवस्त्र ओढ़े तथा गाड़ियों पर महावीरी पताका लहराते हुए युवा पैदल और वाहनों पर घूमते दिखे, वहीं डीजे की धमक से मिश्रित रामभजनों पर वे थिरकते-नाचते नजर आये। रामनवमी पर इस्पातनगरी की फिजा में हर तरफ जय श्री राम के गगनभदी नारे ही गूंजते रहे और पूरा शहर चारों तरफ महावीरी झंडों से पटा रहा।

सावधान, निर्वाचन कार्यालय बना साइबर ठगों का अड्डा!

जालसाजी... बीएलओ के बैंक खातों की सुरक्षा खतरे में

निर्वाचन कार्यालय के नाम पर फोन कर मांग रहे बैंक डिटेल, आधार और पैन, एसपी से शिकायत

संवाददाता
बोकारो : चुनाव कार्यों से संबंधित बोकारो का निर्वाचन विभाग इन दिनों चर्चा में है। वजह है ठगी। जी हां, ठगी। निर्वाचन कार्यालय के नाम पर कुछ साइबर ठग बीएलओ (बूथ लेवल आफिसर), खास तौर से महिला बीएलओ को फोन कर उनके बैंक डिटेल मांग रहे हैं। नहीं बताने पर उनके साथ गाली-गलौज करते हैं। पूनम देवी नामक गोमिया की एक बीएलओ के खाते से निर्वाचन कार्यालय का अधिकारी बताकर साइबर ठग ने दो हजार रुपए की अवैध निकासी कर ली। बता दें कि आंगनबाड़ी की महिला कर्मियों और निर्वाचन में लगाया गया है और वे ही ज्यादा निशाने पर हैं। इस मामले को लेकर सिटी थाने में समाज कल्याण विभाग की महिला कर्मी प्रीति कुमारी, रेणु कुमारी, ममता रानी, प्राणेश्वरी किस्कू, सुनीता कुमारी आदि ने आवेदन भी दिया है। मामला उजागर होने के बाद जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक सुमन ने जिले के एसपी चंदन झा से इस बावत शिकायत की है। विवेक सुमन ने जिले के सभी बीएलओ को इस मामले में सतर्क रहने की अपील की है।

कहा है कि फोन कॉल के माध्यम से किसी के द्वारा बैंक खाते की जानकारी मांगी जा रही है, तो यह न दें। जिला निर्वाचन कार्यालय को कुछ बीएलओ द्वारा शिकायत की गई है कि मोबाइल संख्या 9748130857, 7381446188, 7485068908 एवं 89691373504 द्वारा कॉल करके अपने को जिला निर्वाचन कार्यालय के पदाधिकारी या कर्मी बताकर फोन पर वार्ता की जाती है। पहले वे निर्वाचन संबंधित कार्यों की प्रगति की जानकारी मांगते हैं, उसके बाद बीएलओ से उनका आधार, पैन, खाता संख्या, एटीएम नंबर एवं वन टाइप पासवर्ड (ओटीपी) की मांग कर उनके बचत बैंक खाते से राशि की निकासी कर लेते हैं।

मामला प्रकाश में आने के बाद जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक सुमन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी बीएलओ एवं अन्य सरकारी कर्मियों व आमजनों को भी इस तरह कॉल पर किसी से अपने बैंक विवरणी अथवा ओटीपी साझा नहीं करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जिला निर्वाचन कार्यालय इस तरह किसी भी बीएलओ व आमजन से कोई बैंक, पैन, एटीएम विवरणी, ओटीपी की मांग नहीं करता है। उन्होंने मामले में अनुसंधान करते हुए इस कार्यालय के नाम पर फर्जी कार्य कर रहे संबंधित असामाजिक तत्वों के विरुद्ध एसपी से कार्रवाई के लिए अनुरोध किया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी ने उक्त फर्जी कॉल के नंबर को सेव करते हुए उसे ब्लॉक करने एवं उसकी शिकायत अपने नजदीकी थाने एवं वरीय पदाधिकारी से करने को कहा। उन्होंने किसी भी परिस्थिति में वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) साझा नहीं करने को कहा। बताया कि यह साइबर ठगों का काम है, पुलिस जल्द ऐसे तत्वों पर कार्रवाई करेगी।

9748130857, 7381446188, 7485068908 और 89691373504 नंबरों से आते हैं कॉल

बीएसएल डीआई अमरेंदु सहित 9 अधिकारी सेल चेयरमैन की रेस में

सेल SAIL

अवसर... 12 को नाम फाइनल होने के आसार, वर्तमान अध्यक्ष सोमा मंडल 30 अप्रैल को हो जाएंगी रिटायर

संवाददाता
बोकारो : भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) के नए अध्यक्ष के लिए योग्य उम्मीदवारों की तलाश शुरू हो गई है। इसके लिए आधिकारिक स्तर पर भीतर ही भीतर कार्यवाही भी चल रही है। बता दें कि सेल की मौजूदा अध्यक्ष सोमा मंडल आगामी 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हो रही हैं। इसलिए नए सेल चेयरमेन की तलाश तेज हो गई है। नए चेयरमेन के लिए ऑनलाइन साक्षात्कार की तिथि भी पब्लिक सिलेक्शन इंटरप्राइजेज बोर्ड की ओर से 12 अप्रैल को निर्धारित कर दी गई है। अधिक संभावना है कि उसी दिन नए सेल अध्यक्ष की घोषणा हो जाएगी। सूत्रों के अनुसार ऑनलाइन तरीके से होने वाले साक्षात्कार के लिए नौ दावेदार रेस में हैं। इनमें बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी अमरेंदु प्रकाश सहित भिलाई स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता, बर्नपुर एवं दुगार्पुर इस्पात (शेष वेज- 7 पर)

अंतिम मुहर पीएमओ से

प्राप्त जानकारी के अनुसार 12 अप्रैल को शाम 4 बजे से 6 बजे तक आनलाइन साक्षात्कार होगा। इसमें सफल उम्मीदवारों के नाम की घोषणा प्रधानमंत्री कार्यालय से स्वीकृति के बाद कर दी जाएगी। इस पूरी प्रक्रिया में करीब दो माह का वक्त भी लग सकता है। इस दौरान चेयरमैन का पद रिक्त होने पर इसकी जिम्मेवारी इस्पात सचिव को दी जा सकती है। सूत्रों के अनुसार इस इंटरव्यू में शामिल होने वाले नौ अधिकारियों की लिस्ट को अंतिम रूप दिया जा चुका है। विदित हो कि साधारणतया नए चेयरमैन के लिए छह महीने पहले ही नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी जाती रही है। इस बार यह प्रक्रिया काफी देरी से शुरू की गई है।

- संपादकीय -

धर्म की आड़ में हिंसा का 'खेल'

इस बार रामनवमी के मौके पर देश के कई राज्यों से जो हिंसा की घटनाएं सामने आईं, वे बेहद शर्मनाक और भयावह हैं। एक समय वह भी था, जब मोहर्रम का ताजिया जुलूस हिंदुओं के दरवाजों पर पहुंचता था और हिन्दू समाज के लोग भी इसमें बढ़-चढ़कर भाग लेते थे। इसी तरह रामनवमी के उत्सव में मुस्लिम समाज के लोग भी शामिल होकर खुशियां मनाते थे। लेकिन, आज अगर यह सामाजिक सद्भाव खत्म होता जा रहा है और धर्म की आड़ में 'हिंसा का खेल' खेला जा रहा है तो इसके पीछे आखिर किसकी सोच है? नफरत की इस आंधी को कौन हवा दे रहा है? जवाब साफ है- वोट के सौदागर और सत्ता की खातिर अपना ईमान बेच देने वाले राजनीतिक दलों के नेता! उन्होंने समाज के बीच नफरत की भावना इस कदर भर दी है कि नागरिकों को मूलभूत स्वतंत्रता भी हासिल नहीं है। रामनवमी के अवसर पर बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड, गुजरात, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों से हिंसा की खबरें आईं। बंगाल का हावड़ा हो या बिहार का सासाराम या नालंदा, महाराष्ट्र का औरंगाबाद हो या गुजरात का वडोदरा, भगवान राम का जुलूस हमलावरों का निशाना बना। पत्थरबाजी, बमबाजी और आगजनी की गई। एक साजिश के तहत हिंसा को बढ़ावा दिया गया। क्योंकि, अगर देश को इस आधार पर बांटा जाता है कि 'फलां इस धर्म का इलाका है और फलां दूसरे धर्म का' तो वही होगा, जो हो रहा है। अपने इलाके में दूसरे को आने से रोकने की इसी मानसिकता के लोग ऐसी हरकतें करते हैं। इस बार तो सबके चेहरे भी दिख रहे हैं। पहचाना जा सकता है कि ये दंगाई कौन हैं। महाराष्ट्र के कम से कम तीन हिस्सों- मलाड, जलगांव और औरंगाबाद से हिंसा की खबरें आईं। छत्रपति संभाजीनगर में राम मंदिर के बाहर पत्थरबाजी और आगजनी हुई। 13 गाड़ियां फूंक दी गईं। पुलिस पेट्रोल से भरी बोतलों के आगे बेबस नजर आई। पुलिस के मुताबिक, कम से कम 12 लोग, जिनमें 10 पुलिसवाले भी शामिल हैं, घायल हुए। मलाड में भी चार कॉन्स्टेबल समेत कई लोग घायल हैं। शोभा यात्रा के दौरान किसी ने तेज आवाज में गाने बजाने पर आपत्ति की। जलगांव की हिंसा में भी चार लोग घायल हुए। पुलिस अब हिंसा में शामिल आरोपियों की धरपकड़ कर रही है। पश्चिम बंगाल के हावड़ा और डालखोला इलाकों में रामनवमी पर खूब हिंसा हुई। हावड़ा में भीड़ में कई गाड़ियों को आग लगा दी। दुकानें लूट ली गईं। श्रद्धालुओं पर कांच की बोतलें, पत्थर और ईंट फेंकी गई। शिबपुर में भी हिंसा हुई। डालखोला की हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हुई। पुलिसकर्मियों समेत कई लोग घायल हुए। बिहार के सासाराम और नालंदा में रामनवमी के दिन हिंसा हुई। हालात लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं। दोनों जगह धारा 144 लगा दी गई है। नालंदा के बिहार शरीफ में झड़पों में 10 से अधिक लोग घायल हुए और बिहारशरीफ में एक व्यक्ति के मारे जाने की भी खबर है। सासाराम में बिगड़े हालात के बीच दो पुलिसकर्मियों सहित आधा दर्जन लोगों के घायल होने की सूचना है। गुजरात के वडोदरा में फतेहपुरा इलाका रामनवमी पर हिंसा का मैदान बन गया। पत्थरबाजी और गाड़ियों को आग लगाने की कई घटनाएं सामने आईं। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले के पोटका में रोड़ेबाजी की गई, जिसमें पांच लोग घायल हो गए। कर्नाटक के हासन में एक मस्जिद से रामनवमी जुलूस गुजरते वक्त दो समूह भिड़ गए। चाकू चले, जिसमें दो लोग घायल हुए। फिर हिंसा में दो और घायल हुए। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शाही मजिस्द के पास जुलूस निकलते वक्त हिंसा भड़की। यात्रा पर पत्थरबाजी हुई, जिसके बाद माहौल बिगड़ गया। रामनवमी पर पहली बार हिंसा नहीं हुई। पिछले साल भी रामनवमी पर निकले जुलूस को निशाना बनाया गया था। आखिर मजहब के नाम पर उपद्रव फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई क्यों नहीं होती? धर्म और संप्रदाय के नाम पर दो समुदाय के लोगों को लड़ाने का यह खेल कब खत्म होगा? यह सवाल आज मुंह बाये खड़ा है। निश्चय ही यह सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने का षड्यंत्र है। शासन-प्रशासन को समय रहते ऐसे तत्वों के मंसूबों पर पानी फेरना ही होगा। क्योंकि, देश के लिए यह एक खतरनाक संकेत है।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

कृषि-वानिकी के क्षेत्र में क्रांति हेतु वन संरक्षण अधिनियम एवं विनियमों में उदारीकरण

- डॉ. रमेश चंद, सदस्य, नीति आयोग

वानिकी, कृषि और संबद्ध क्षेत्रों का एक अंग है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में चार खंड शामिल हैं- फसलें, पशुधन, मात्स्यकी और वानिकी। इन चार खंडों में से पहले तीन खंड हरित क्रांति, श्वेत क्रांति और नीली क्रांति आदि जैसी क्रांतियों के गवाह रहे हैं। इन क्रांतियों के कारण पिछले 50 वर्षों के दौरान इन क्षेत्रों के उत्पादन में 3.05 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि हुई। जबकि वानिकी के उत्पादन में प्रति वर्ष महज 0.54 प्रतिशत की ही वृद्धि हुई। वानिकी क्षेत्र की यह वृद्धि जनसंख्या में होने वाली वृद्धि दर का एक तिहाई भी नहीं है। आर्थिक और इकोलॉजी की दृष्टि से इसके बेहद गंभीर नतीजे हुए। देश में उत्पादित लकड़ी एवं लकड़ी के उत्पादों की प्रति व्यक्ति उपलब्धता में भारी गिरावट आई और भारत को लकड़ी व लकड़ी के उत्पादों की घरेलू मांग के बड़े हिस्से को आयात के माध्यम से पूरा करना पड़ा। वानिकी में मामूली वृद्धि का सीधा अर्थ पर्यावरण और इकोलॉजी के अनुकूल उत्पादन में कम वृद्धि भी है। कार्बन प्रच्छादन, जल संतुलन और प्राकृतिक इकोसिस्टम के सेहत की दृष्टि से इसके दूरगामी प्रभाव हैं।

वानिकी का उत्पादन तीन स्त्रोतों पर निर्भर है। ये स्त्रोत हैं- सार्वजनिक वन, निजी स्वामित्व वाली भूमि और केंद्र एवं राज्यों, पंचायतों, समुदायों आदि के स्वामित्व वाली अन्य प्रकार की भूमि। विभिन्न कारणों से लकड़ी एवं लकड़ी आधारित उत्पादों के निष्कर्षण और लकड़ी आधारित उद्योग की स्थापना की प्रक्रिया वन संरक्षण अधिनियमों तथा विभिन्न विनियमों द्वारा कड़ाई से विनियमित की जाती है। भारत में वन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली कुल भूमि 23.4 मिलियन हेक्टेयर है। इन क्षेत्रों में वनोपज, विशेषकर लकड़ी और लकड़ी के उत्पादों के व्यावसायिक निष्कर्षण पर प्रतिबंध या रोक लगाने के पीछे कुछ तर्क हैं। हालांकि आर्थिक विकास, पर्यावरण, इकोलॉजी और स्थिरता से संबंधित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए इस वन क्षेत्र के बाहर वानिकी और पेड़ उगाने को प्रोत्साहित करने की काफी संभावनाएं हैं। सबसे बड़ी संभावना कृषि भूमि पर है, जहां कृषि वानिकी को अपनाकर इस दिशा में बढ़ा जा सकता है। कुल कृषि योग्य भूमि में से 26 मिलियन हेक्टेयर भूमि परती पड़ी रहती है। यह देश में वनक्षेत्र के अंतर्गत आने वाली कुल भूमि से अधिक है। भारत में 12 मिलियन हेक्टेयर कृषि योग्य बंजर भूमि भी उपलब्ध है। परती भूमि, कृषि योग्य बंजर भूमि और खेत की सीमाओं पर पेड़ उगाने की अपार संभावनाएं हैं। वर्तमान में, वानिकी वृक्षारोपण के तहत निजी गैर-वन भूमि के बहुत छोटे से हिस्से को कवर किया जाता है और वहां पेड़ों की अधिकांश प्रजातियां नैसर्गिक रूप से ही उगती हैं। वे लकड़ी की घरेलू मांग को पूरा करने की दृष्टि से पर्याप्त नहीं हैं। इसके परिणामस्वरूप भारत बड़ी मात्रा में लकड़ी और लकड़ी के उत्पादों का आयात कर रहा है। इस आयात में 2018-19 तक वृद्धि का रुझान दिखाई देता रहा है। वर्ष 2018-19 के दौरान लकड़ी और लकड़ी के उत्पादों का आयात 6126 मिलियन अमेरिकी डॉलर या 42841 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था।

वृक्षारोपण और कृषि-वानिकी में बहुत कम रुचि होने के पीछे के कारणों के गहन परीक्षण की आवश्यकता है। देश में लकड़ी और लकड़ी के उत्पादों की मांग में कोई कमी नहीं आई है। इनकी मांग बढ़ने से कीमतें दिनों-दिन बढ़ रही हैं और इनका आयात भी बढ़ रहा है। कुछ वर्ष पहले तक वन क्षेत्र से बाहर निजी भूमि पर उगने वाले पेड़ों की कटाई पर सख्त प्रतिबंध था। एक राज्य से दूसरे राज्य में उन्हें ले जाने के लिए ट्रांजिट परमिट की आवश्यकता होती थी। इससे निजी भूमि पर प्राकृतिक रूप से उगने वाले पेड़ों का अस्तित्व जोखिम में पड़ गया, क्योंकि भूमि के मालिकों को ऐसे पेड़ों को बेचने की अनुमति प्राप्त करने के लिए बोझिल और जटिल प्रक्रियाओं का अनुसरण करना पड़ता था। इस बीच देश में वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय वन नीति 1988 और राष्ट्रीय कृषि वानिकी नीति 2014 लागू की गई। इन बातों को ध्यान में रखते हुए, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 18 नवंबर, 2014 को राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों को 'वन क्षेत्र से बाहर निजी भूमि पर उगाई जाने वाली वृक्ष प्रजातियों के लिए कटाई और पारगमन नियमन' के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए। इन दिशानिर्देशों में पेड़ों की कटाई के लिए किसी भी प्रतिबंध से मुक्त प्रजातियों की सूची और निजी भूमि पर उगने वाले वृक्षों की प्रजातियों के लिए उदार पारगमन नियम का स्पष्ट उल्लेख किया गया। इसके बाद, इस मामले को नीति आयोग द्वारा कृषि और संबद्ध क्षेत्रों से संबंधित सुधारों के एक भाग के रूप में राज्यों/केंद्र-शासित प्रदेशों के समक्ष उठाया गया। कुछ राज्यों ने केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशा-निदेशों का पालन करने के लिए अपनी ओर से अधिसूचनाएं जारी कीं। किंतु, अधिकांश राज्यों में इनका सक्रियतापूर्वक अनुपालन नहीं किया गया।

निजी भूमि पर उगाए गए पेड़ों की कटाई और पारगमन पर प्रतिबंधों को सीमित तौर पर उदार बनाए जाने से वानिकी के उत्पादन में वृद्धि होने के साथ-साथ लकड़ी और लकड़ी के उत्पादों के आयात में काफी कमी हुई। निजी भूमि पर उगाई जाने वाली वृक्ष प्रजातियों की कटाई पर प्रतिबंध में छूट की अधिसूचना के एक साल बाद, वन क्षेत्र का उत्पादन लगातार तीन वर्षों के लिए 5 प्रतिशत से अधिक वार्षिक वृद्धि दर्शाता है। 1950-51 से ऐसा कभी नहीं हुआ। इसी तरह, 2014-15 के बाद दो वर्षों के दौरान लकड़ी और लकड़ी के उत्पादों के आयात में 5 प्रतिशत की गिरावट आई और उसके बाद की अवधि में आयात में वृद्धि होने के बजाय उतार-चढ़ाव होता रहा।

स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार देश में कुछ इलाकों में चिनार जैसी कृषि वानिकी प्रजातियों के रकबे में काफी वृद्धि हुई है। हालांकि, पेड़ों की कटाई पर प्रतिबंध हटाने की जानकारी देश के बड़े हिस्से में नहीं पहुंच पाई है। इस जानकारी को गांव के स्तर तक पहुंचाने की जरूरत है। भारत में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए देश में पेड़ों की कटाई और पेड़ों के उत्पादों की आवाजाही को प्रतिबंध से पूरी तरह मुक्त बनाने की भी आवश्यकता है। प्रौद्योगिकी के वर्तमान समय में, उत्पाद की आपूर्ति के स्त्रोतों, यानी- भूमि या निजी भूमि - का पता लगाने के उपाय उपलब्ध हैं। पेड़ों की विभिन्न प्रजातियों के त्वरित और बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पादन हेतु अब तकनीकी विकल्प उपलब्ध हैं। हालांकि, विभिन्न प्रकार के विनियामक प्रतिबंधों के कारण पेड़ों की विभिन्न प्रजातियों के बाजार बेहद ही अविकसित हैं। यदि इन बाधाओं को हटा दिया जाए, तो कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के अन्य तीन उप-क्षेत्रों की तरह ही वानिकी क्षेत्र में भी 'भूरी क्रांति' की अपार संभावनाएं हैं।

कविक कविता

- शम्भुनाथ-

शब्द ने छूलक मर्म कें,
फुजल ने अन्तर नैन।
स्पंदित नहि हिय केलक,
भेटय ने कविके चैन।।

हास वीर वात्सल्य संग,
बहय ने करुणा धार।
भक्ति भाव हिय नहि फुटल
की कविता सिंगार।।

कविता कें वीभत्स लखि,
घृणा भाव हिय जाग।
उत्फुल्लित कवि हिय कमल
समुझय जागल भाग।।

अन्तरतर दारुण व्यथा
प्रसवक अन्तर पीड़।
सुन्दर काव्यक जन्म सं
हुलसि उठय हिय हीर।।

अलंकार साजित सुखद
कविता कोमल गात।
सतत निहारय सुधी जन
हरखित पाबि बसात।।

कविता नाचय ताल मे,
कान पियरगर छन्द।
सूखल फूल सं बहि चलय
अमिय धार मकरन्द।।

सभक अधर गुन-गुन करय
उचरय मधुरिम गान।
उर वीणा झंकृत करय
ततहि कविक हो जान।।

बीएसएल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

वर्षावलोकन 2022-23... तक्नो-आर्थिक मामलों में बने कई नए कीर्तिमान, कर्मियों के बीच पहुंच डीआई ने दी बधाई

संवाददाता
बोकारो : वित्तीय वर्ष 2022-23 में बीएसएल ने प्रोडक्शन, डिस्पैच तथा टेक्नो-इकोनॉमिक पैरामीटर्स में कई नए कीर्तिमान बनाकर अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में अब तक का सर्वश्रेष्ठ ओवन पुशिंग, ग्रॉस सिंटर उत्पादन, हॉट मेटल (4 फर्नेस परिचालन से), एसएमएस-न्यू और एसएमएस- 2 से क्रूड स्टील, टोटल क्रूड स्टील (4 फर्नेस परिचालन) तथा सीआरएम-3 से सीआर सेलेबल के उत्पादन में कीर्तिमान बने हैं, साथ ही कोक केमिकल की बिक्री, समग्र ऊर्जा खपत, समग्र रिफ्रैक्टरी खपत एवं ग्रेन्युलेटेड स्लैग के प्रेषण में भी नए रिकॉर्ड बने हैं। शनिवार को बीएसएल के निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश एवं सभी अधिशासी निदेशकों ने टीम बीएसएल की इस शानदार उपलब्धि पर संयंत्र के विभिन्न विभागों का दौरा कर अधिकारियों, कर्मियों एवं संविदा कर्मियों समेत पूरे टीम बीएसएल को बधाई दी। निदेशक प्रभारी ने कर्मियों को नए वित्तीय वर्ष में अपने प्रदर्शन के स्तर को और आगे ले जाने का आह्वान किया। साथ ही सेफ़्टी और गुणवत्ता पर विशेषतौर से फोकस करने का संदेश दिया।

बोकारो स्टील प्लांट द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 में सभी प्रमुख उत्पादों में पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि दर्ज की है। ओवन पुशिंग में 7.1 प्रतिशत , ग्रॉस सिंटर में 4.0 फीसद, हॉट मेटल उत्पादन में 5.8 फीसद, क्रूड स्टील (एसएमएस-न्यू) में 8.0 प्रतिशत, क्रूड स्टील (एसएमएस-2) में 7.3 प्रतिशत एचआर प्लेट/ शीट में 3.6% तथा सी आर सेलेबल में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि हासिल हुई है।

2022-23 में बोकारो स्टील प्लांट ने दैनिक, मासिक, त्रैमासिक, अर्धवार्षिक कीर्तिमानों के साथ-साथ वार्षिक कीर्तिमान भी बनाया है। इस कड़ी में 6 बैटरी परिचालन से 179720 ओवन पुशिंग, 6362000 टन ग्रॉस सिंटर उत्पादन, चार फर्नेस परिचालन से 4514000 टन हॉट मेटल उत्पादन, चार फर्नेस परिचालन से 4118000 टन क्रूड स्टील उत्पादन, एसएमएस- न्यू से 632000 टन क्रूड स्टील उत्पादन, एसएमएस- 2 से 3487000 टन क्रूड स्टील उत्पादन तथा सीआरएम- 3 से 708000 टन सी आर सैलेबल का उत्पादन शामिल है जो बोकारो स्टील प्लांट की स्थापना काल से अब तक सर्वश्रेष्ठ उत्पादन है।

ब्लास्ट फर्नेस ने चार फर्नेस परिचालन से 6 मार्च 2023 को 15408 टन हॉट मेटल का दैनिक उत्पादन रिकॉर्ड बनाया है। इसी प्रकार 22 फरवरी-2023 को एसएमएस-न्यू ने सिगल सिक्वेंस में फ़्लाइंग टन्डिश से 64 हीट कास्ट कर अब तक सर्व श्रेष्ठ दैनिक रिकार्ड बनाया है। हॉट स्ट्रिप मिल ने आधुनिकीकरण के बाद 31 दिसंबर 22 को अब तक का सर्वश्रेष्ठ 14796 टन क्वाइल का उत्पादन कर दैनिक कीर्तिमान स्थापित किया। वित्तीय वर्ष 2022-23 में बीएसएल ने कोल केमिकल्स के विक्रय से 285 करोड़ रुपए अर्जित कर एक नया रिकॉर्ड भी बनाया है।

सीआरएम-3, एचडीजीएल की लेजर वेल्डर यूनिट में वायर फीडर सिस्टम का उद्घाटन

बीएसएल के निदेशक प्रभारी अमरेंदु प्रकाश ने सीआरएम-3, एचडीजीएल की लेजर वेल्डर यूनिट में स्थापित वायर फीडर सिस्टम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीके तिवारी, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) सीआर महापात्रा, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) अमिताभ श्रीवास्तव, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) राजन प्रसाद, मुख्य महाप्रबंधक (सीआरएम-3) वेद प्रकाश तथा अन्य वरीय अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे। सीआरएम-3, एचडीजीएल की लेजर वेल्डर यूनिट की उत्पादन और गुणवत्ता में अहम भूमिका होती है, परन्तु थिनर गेज रोलिंग में इसका सम्पूर्ण लाभ नहीं मिल पा रहा था। विभागीय टीम द्वारा मूल समस्या की पहचान के लिए की गई मंथन के उपरांत इसका समाधान निकाला गया. लागत- किफायती और तकनीकी रूप से सर्वाधिक उपयुक्त समाधान एडिशनल वायर फीड प्रौद्योगिकी के रूप में तय की गई, जिससे वेल्ड की मजबूती बढ़ने के साथ-साथ चिकनी और समान सीम प्राप्त हो सके। उत्पादन और गुणवत्ता बढ़ाने के अलावा, इस तकनीक ने मैनुअल वेल्डिंग की आवश्यकता को भी समाप्त कर दिया। इस तकनीक द्वारा हासिल की गई समान सीम वेल्डिंग लाइन में रबरयुक्त रोल के जीवन को भी बढ़ाएगी। इस नए सिस्टम की कमीशनिंग में सीआरएम-3 के सहायक महाप्रबंधक अमित कुमार, वरीय प्रबन्धक वी.एस. नारायण, प्रबंधक प्रशांत कुमार सिंह, प्रबंधक अरुणेश मयंक, प्रबंधक परिचय भट्टाचार्जी और एसीटी सतीश रजक शामिल थे। उन्होंने सिस्टम के समग्र कमीशनिंग में असाधारण योगदान और अनुकरणीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इनके अलावा सीआरएम-3 के वरिष्ठ अधिकारी बीएन त्रिपाठी, सुनील कुमार और नवीन चंद्र ठाकुर ने भी इस परियोजना के सफल कार्यान्वयन में सराहनीय योगदान दिया।

प्रतिभा निक्की, श्रेया व नेहा सहित 9 छात्राओं और 4 छात्रों को मिला मुख्यमंत्री मेधाविता पुरस्कार

बेटियों ने फिर बढ़ाया जिले का मान

संवाददाता
बोकारो : बोकारो के मेधावी छात्र-छात्राओं ने एक बार फिर इस जिले का नाम रोशन किया है। जैक, आईसीएसई, सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं तथा स्टेट ओलंपियाड में राज्य स्तर पर अपनी मेधाविता का परचम लहराने वाली नौ बेटियों सहित 13 विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री मेधाविता पुरस्कार से नवाजा गया। बोकारो जिले से चंद्रपुरा की इंटरमीडिएट कॉमर्स परीक्षा 2022 की स्टेट टॉपर डीवीसी प्लस टू उच्च विद्यालय चंद्रपुरा की छात्रा निक्की कुमारी, स्टेट ओलंपियाड (सामान्य ज्ञान) में राज्य में अव्वल रही कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की छात्रा आकांक्षा कुमारी को मुख्यमंत्री ने समारोह के उद्घाटन सत्र के बाद अपने हाथों से पुरस्कृत किया। उनके साथ कई बच्चे सांकेतिक रूप से सीएम द्वारा पुरस्कृत किए गए। पारितोषिक राशि के अलावा बच्चों को लैपटॉप और मोबाइल फोन भी उपहार-स्वरूप पढ़ाई में सहायतार्थ दिए गए। इन छात्राओं सहित कुल 13 विद्यार्थियों ने

अपने स्कूलों और जिले का मान बढ़ाया।

रांची के धुर्वा स्थित प्रोजेक्ट भवन में मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, मुख्यमंत्री सचिवालय की प्रधान सचिव वंदना डाडेल, सचिव विनय चौबे, शिक्षा विभाग के सचिव के. रवि कुमार, झारखंड शिक्षा परियोजना का स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर किरण कुमारी पासी, संयुक्त सचिव कुमुद सहाय की मौजूदगी में बच्चे सम्मानित किए गए। जिले से जैक में 478 अंकों के साथ इंटरमीडिएट कॉमर्स की परीक्षा में राज्य भर में अव्वल रही डीवीसी प्लस टू उच्च विद्यालय चंद्रपुरा की छात्रा निक्की कुमारी को तीन लाख, सेकंड स्टेट टॉपर श्रेया पांडेय (477), वीके मजदूर इंटर कॉलेज, चास को दो लाख, सीबीएसई 10वीं बोर्ड में 497 अंक लाकर राज्य में दूसरे स्थान पर रही डीपीएस बोकारो की छात्रा श्रेया सुमन (497) को दो लाख, तीसरे स्थान पर रही चिन्मय विद्यालय बोकारो की छात्रा दीक्षा शर्मा (496) को एक लाख, सीबीएसई 12वीं बोर्ड के वाणिज्य संकाय में थर्ड स्टेट टॉपर रही डीपीएस बोकारो की छात्रा नेहा कुमारी भगत (493), कला संकाय में तीसरे स्थान पर रही चिन्मय विद्यालय की छात्रा आद्या गुप्ता (493), विज्ञान संकाय में थर्ड रही इसी स्कूल की रितिशा रंजन (492) तथा आईसीएसई बोर्ड के 12वीं कॉमर्स में तीसरे स्थान पर रही संत जेवियर की पूजा केजरीवाल (98.75 प्रतिशत) को एक-एक लाख रुपए का इनाम मिला। वहीं, झारखंड स्टेट ओलंपियाड के सामान्य ज्ञान विषय में राज्य स्तर पर प्रथम रहीं कस्तूरबा, जरीडीह की छात्रा आकांक्षा कुमारी, तीसरे स्थान पर रहे राजकीय उमवि बारकामा, चंदनकियारी के दिनेश कुमार महथा, साइंस स्टेट ओलंपियाड में स्टेट टॉपर रहे रामरुद्र प्लस टू उच्च विद्यालय के दीप मित्रा एवं राजकीय मध्य विद्यालय घटियाली के तंदुल कर तथा इंग्लिश स्टेट ओलंपियाड में दूसरे स्थान पर रहे रामरूद्र प्लस टू उच्च विद्यालय के शुभम दत्ता भी सम्मानित किए गए।

कॉस्ट एकाउटेंट्स : 3 विद्यार्थियों को मिली ऑल इंडिया रैंकिंग

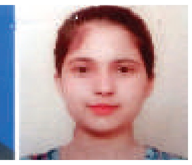

संवाददाता
बोकारो : इंस्टिट्यूट ऑफ कॉस्ट एकाउटेंट्स ऑफ इंडिया के विगत दिसंबर टर्म के बोकारो सेंटर के उत्साहजनक परिणाम रहे हैं। इस संस्थान के तीन छात्रों ने कॉस्ट एकाउटेंट्स की परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक हासिल किया है। इनमें कन्हैया कुमार ने ऑल इंडिया में दूसरा रैंक, प्रेरणा ने दसवां रैंक तो शांतनु कुमार सिंह ने बीसवां रैंक प्राप्त कर बोकारो चैप्टर सहित झारखण्ड का नाम रौशन किया है। संस्थान के बोकारो चैप्टर के मानद एक्टिंग चेयरमैन सह- वित्त व लेखा विभाग के जीएम अनुराग गुप्ता, मानद सचिव सह- वित्त व लेखा विभाग के जीएम सुनील कुमार भारद्वाज, मानद कोषाध्यक्ष सह-वित्त व लेखा विभाग के डीजीएम मनोज कुमार, मानद निदेशक उदय शंकर भाष्कर एवं सभी व्याख्याताओं ने उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को बधाई देते हुए उनके सुखद भविष्य की कामना की। ज्ञात हो कि बोकारो सेंटर से आईसीएमएआई (आईसीडब्ल्यूएआई) इंटरमीडिएट की परीक्षा में ग्रुप-वन का 23.6 प्रतिशत, ग्रुप-टू का 23 प्रतिशत, फाइनल की परीक्षा में ग्रुप- थ्री का 13.25 प्रतिशत, ग्रुप-फोर का 06 प्रतिशत परिणाम रहा।

इंटरमीडिएट कम्पलीट करने वाले 36 परीक्षार्थियों में ग्रुप-वन की परीक्षा उत्तीर्ण कर 9 परीक्षार्थियों ने ग्रुप-टू की परीक्षा उत्तीर्ण कर 24 परीक्षार्थियों ने एवं दोनों ग्रुप एक साथ 3 परीक्षार्थियों ने उत्तीर्ण कर सफलता हासिल की है। वहीं, फाइनल कम्पलीट करने वाले 8 परीक्षार्थियों में ग्रुप-थ्री की परीक्षा उत्तीर्ण कर 7 परीक्षार्थियों एवं दोनों ग्रुप एक साथ उत्तीर्ण करने वालों में क्रमशः अंशिका लोहानी, प्रियंका कुमारी, राखी कुमारी, रेशमी कुमारी, रूबी आदि शामिल रहीं।

ये हैं बेजुबानों के मसीहा

पानी की तलाश में भटकते मवेशी न मारे जाएं, इसलिए जगह-जगह लगवा रहे नाद

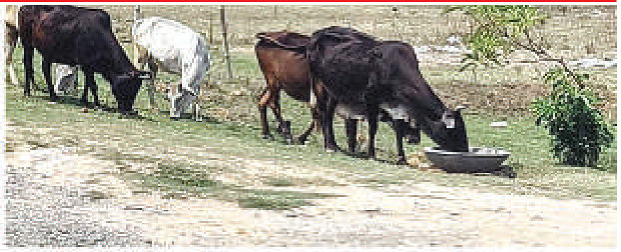

संवाददाता

बोकारो : गर्मी का मौसम अब आ चुका है। तपती धूप में सड़क पर पांच मिनट में जब हम इंसानों को प्यास लग जाती है, तो दिन-दिनभर प्यासे मवेशियों को क्या परेशानी होती होगी, इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। मवेशियों की सेवा में वर्षों से लगे बोकारो के दो युवा समाजसेवी- राम खेड़िया और प्रशांत द्विवेदी ने उनके लिए मसीहा बन अनूठी पहल शुरू की है। गर्मी में मवेशियों को पानी के लिए भटकना न पड़े, इसके लिए दोनों ने संयुक्त प्रयास से चास-बोकारो के विभिन्न स्थानों पर पानी भरने के लिए नाद की व्यवस्था की है। आनेवाले दिनों में राष्ट्रीय उच्चपथ (एनएच) के किनारों सहित विभिन्न चौक-चौराहों और मवेशियों के विचरण वाले स्थानों पर लगभग 100 ऐसे नाद लगवाए जाने की योजना पर ये दोनों काम कर रहे हैं। अब तक चास में एनएच किनारे तेलीडीह मोड़, बोकारो के सिटी सेंटर, टोटो डीलर, एमआरएफ टायर शो-रूम के निकट सहित अन्य लगभग 12 जगहों पर नाद रखवाए जा चुके हैं। पानी भरे ये नाद मवेशियों के लिए फायदेमंद भी दिख रहे हैं। राम खेड़िया ने बताया कि आज के स्वार्थयुक्त जीवन और भागमभाग में ज्यादातर आमलोग मवेशियों के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। जबकि, वो भी जीव हैं और हमारे जीवन-यापन में उनकी अहम भूमिका है।

उन्होंने बताया कि इस गर्मी में उन्होंने 100 नाद लगवाने की योजना बनाई है। इस पर काम चल भी रहा है। राम ने शहर के प्रबुद्ध लोगों से भी मवेशियों और जीव-जंतुओं की सहायता की दिशा में आगे आने की अपील की है। कहा कि मानवीय संवेदना ही हमें अन्य जीवों से अलग बनाती है, जो हर इंसान में होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि शहर के जिस किसी इलाके में ऐसे नाद की जरूरत होगी, लोग उन्हें 9835741734 या 7004813718 नंबरों पर फोन से सूचित करें, उस इलाके में बिना किसी शुल्क के नाद पहुंचा दिया जाएगा। आसपास के लोग केवल उन नादों की नियमित सफाई कर उनमें पानी की व्यवस्था करें। लावारिस घूमते मवेशियों, कुत्तों और अन्य पशु-पक्षियों के लिए लगातार सेवारत प्रशांत द्विवेदी ने कहा कि लोग थोड़ी दयादृष्टि बेजुबानों के प्रति भी दिखाएं। हर दिन थोड़ा समय दें और जलकुंड साफ कर उसे भरते रहें।

उल्लेखनीय है कि बोकारो मार्ग से सटे एनएच पर लगातार पशुओं की दुर्घटना होती है। गर्मी में प्यास से बिलखते पानी की तलाश में पशु विचरण करते हैं तो यदा-कदा चोटिल हो जाते हैं। कुछ की इलाज और असुविधा में पड़े मृत्यु हो जाती है, पर कोई सुध लेने वाला नहीं होता। कई बार एनएच पर भटकते पशु तेज रफ्तार वाहनों की चपेट में आकर असमय मारे भी जाते हैं।

प्रोत्साहन डीवीसी सीटीपीएस में रिटायर हुए अधिकारियों व कर्मियों को दी विदाई

सेवानिवृत्त होने के बाद समाज के लिए सक्रिय रहना स्वास्थ्यवर्द्धक : पांडेय

संवाददाता

चंद्रपुरा : दामोदर घाटी निगम (डीवीसी), चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र में पदस्थापित डीवीसी के चार अधिकारी व कर्मचारी सेवानिवृत्त हो गए। यहां की इकाई 7 - 8 के सम्मेलन कक्ष में आयोजित विदाई सह सम्मान समारोह में मुख्य अभियंता एवं परियोजना प्रधान सुनील कुमार पांडेय, मुख्य अभियंता पवन कुमार मिश्रा, उप महाप्रबंधक प्रशासन टीटी दास ने सेवानिवृत्त कर्मियों को उपहार भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अभियंता एवं परियोजना प्रधान सुनील कुमार पांडेय ने कहा कि डीवीसी से सेवानिवृत्ति के बाद समाजसेवा में लोगों को सक्रिय रहना चाहिए। अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखना चाहिए, ताकि वे आनंदित जीवन जी सकें। मुख्य अभियंता पवन कुमार मिश्रा ने कहा कि नौकरी एक बंधन है। सेवानिवृत्ति के बाद खुला आसमान में उड़ान भरने जैसा कार्य कर सकते हैं। ऐसे सामाजिक कार्यों के संपादन से आत्म संतुष्टि तो मिलती ही है, समाज भी आनंदित होता है।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मी अजीत कुमार पांडेय, शरत सुशांत खेस, गयासुद्दीन अंसारी, केएस मुखर्जी और इनके परिजनों के सदस्यों ने भी समारोह को संबोधित किया। अधीक्षण अभियंता महावीर ठाकुर, विनय कुमार, सुभाष दुबे, मिथिलेश कुमार सिन्हा आदि ने भी समारोह को संबोधित कर सेवानिवृत्त कर्मियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

समारोह में अपर निदेशक दिलीप कुमार, अजय कुमार सिंह, अशोक चौबे आदि उपस्थित थे। समारोह का संचालन प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने किया।

हफ्ते की हलचल

श्रद्धा-भक्ति के साथ मनाया गया चैती छठ

बोकारो : चैती छठ बोकारो में श्रद्धा-भक्ति के साथ मनाया गया। कई व्रतियों ने अपने घरों में ही भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। कहीं घर के आंगन में गड्ढे खोदकर, कहीं बड़े टब में तो कहीं घर की छत पर टंकी बना पूजा की गई। वहीं, सिटी पार्क, चास गरगा पुल, सूर्य सरोवर, जगन्नाथ मंदिर स्थित सरोवर, टू टैंक गार्डन सहित विभिन्न जलाशयों में भी श्रद्धालुओं ने भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। इस दौरान आसपास का पूरा वातावरण शारदा सिन्हा, कल्पना पटवारी सहित अन्य कलाकारों के छठ गीतों से गुंजरित होता रहा। व्रतियों और उनके परिजनों ने भी स्वयं गीत गाते हुए भगवान सूर्य को नमन किया।

तेरापंथ समाज ने भिक्षु अभिनिष्क्रमण दिवस मनाया

बोकारो : युगप्रधान महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि श्री रमेश कुमार जी के सान्निध्य में चास-बोकारो के जैन धर्मावलंबियों ने 264वां भिक्षु अभिनिष्क्रमण दिवस छल्लाणी निवास में मनाया। तेरापंथ समाज द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुनि रमेश कुमार ने कहा कि जैसे भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति के प्राणतत्व है, तेरापंथ समाज में वैसी ही महत्ता आचार्य भिक्षु की है। भगवान महावीर की वाणी के आधार पर उन्होंने तेरापंथ धर्म संघ का शुभारंभ किया। आज यह कल्पवृक्ष के समान धर्म संघ बना है, जिसकी शीतल छाया में हम सभी साधनारत हैं और कल्याण के मार्ग पर बढ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आचार्य भिक्षु के द्वारा स्थापित किया हुआ तेरापंथ का नाम अपने आप में अपूर्व और अद्भुत है। तेरापंथ का मतलब ही है जो किसी का नहीं होता और जो किसी का नहीं होता, वह सबका होता है। इस अवसर पर उपस्थित मुनि रत्न कुमार जी ने कहा कि आचार्य भिक्षु ने सत्य के लिए अभिनिष्क्रमण किया। इसके पूर्व मुनि रमेश कुमार जी ने नमस्कार महामंत्रोच्चारण से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सुशील बैद ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। संघगान से कार्यक्रम का समापन हुआ। उक्त जानकारी तेरापंथ समाज की ओर से मीडिया प्रभारी सुरेश बोथरा ने दी।

बेरमो में आंधी-बारिश से तबाही, जगह-जगह गिरे पेड़

बेरमो : शनिवार शाम की बारिश और शुक्रवार रात आई भीषण आंधी-बारिश ने बेरमो कोयलांचल में काफी तबाही मचाई। जगह-जगह पेड़ गिर गए, जिसके कारण सड़क पर आवाजाही भी प्रभावित हुई। फुसरो नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 24 स्थित पटेल नगर के मथुरा प्रसाद यादव घर के सामने एक बड़े यूकिलिप्टस का पेड़ गिर जाने से भेड़मुक्का, मधुकनारी राजाबेड़ा तथा पटेल नगर वासियों के लिए आवागमन घंटों जाम रहा। दोपहिया एवं चारपहिया गाड़ियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। फुसरो बाजार में रामनवमी के उपलक्ष्य में लगाए गए कई तोरण द्वार भी कई जगह गिरकर लटक गए। मेघदूत सिनेमा हॉल का बाहर लगाए गए फिल्मी पोस्टर की धज्जियां उड़ गईं। बैंक के पास लगे पोस्टर टूटकर बिखर गए। इसी प्रकार बाटा गली में तार टूट गए। आम के फलों को खासकर काफी नुकसान हुआ। पेड़ पर लगे काफी आम टूटकर गिर गए। खेतों में लगी साग-सब्जियों को भी काफी नुकसान हुआ। फसल खराब होने से सब्जियों के दाम भी बढने लगे हैं। कहीं-कहीं बिजली बाधित रही।

डीपीएस चास में नए सत्र का हुआ शुभारंभ

बोकारो : डीपीएस चास में पूरे जोश और उत्साह के साथ नए सत्र शुभारंभ किया गया। सत्र के प्रथम दिवस को विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया गया। विद्यालय की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस. मोहन ने शिक्षक एवं शिक्षार्थियों का उत्साहवर्द्धन के साथ ही नई शिक्षा नीति के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए विद्यालय स्तर पर आगे की योजनाओं को कैसे कारगर किया जाएगा, इसके गुर बताए। अनुशासन की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंनें कहा कि अनुशासन ही किसी व्यक्ति, राष्ट्र तथा समाज को महान बनाता है। प्राचार्या दीपाली भुस्कुटे ने भी छात्रों को अनुशासन की महत्ता बताई।

दामोदर को उद्योगों से तो बचा लिया, अब नगरीय प्रदूषण से बचाएंगे, दूसरा चरण जल्द

मुहिम... दामोदर बचाओ आंदोलन के प्रणेता सरयू राय ने की समीक्षा, चास-बोकारो में भी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की मांग

संवाददाता
बोकारो : दामोदर बचाओ आंदोलन के प्रणेता व राज्य सरकार के पूर्व मंत्री सरयू राय ने कहा है कि दामोदर आज औद्योगिक प्रदूषण से लगभग मुक्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि 19 वर्ष पूर्व औद्योगिक प्रदूषण को लेकर दामोदर बचाओ आंदोलन की शुरूआत की गई थी। इस अभियान में अनेक उतार-चढ़ाव मिले। अंततः आज के परिपेक्ष्य में कहा जाए तो दामोदर नदी औद्योगिक प्रदूषण से लगभग मुक्त हो चुकी है। किन्तु अब दामोदर बचाओ आंदोलन अभियान के दूसरे चरण की शुरूआत करने का समय आ गया है। श्री राय बोकारो परिसदन में दामोदर बचाओ अभियान की बोकारो जिला समिति की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

श्री राय ने कहा कि दामोदर नदी से मिलने वाली सहायक नदियां नगरीय प्रदूषण के कारण एक समस्या बन गई है। नगरीय गंदगी युक्त पानी बिना शुद्ध किए सीधे नदी में गिराया जाता है, जिसके कारण बैक्टीरिया सीधे पानी मे मिलता है। श्री राय ने कहा कि नमामि गंगे के तहत भारत सरकार के सहयोग से तीन सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट रामगढ़, फुसरो एवं धनबाद में लगना है। इसको चास एवं बोकारो में भी लगना चाहिए। अब नगरीय प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए जन जागरुकता अभियान शुरू किया जाएगा।

'रिवर फ्रंट बनने से खत्म हो जाएगा नदियों का अस्तित्व'

श्री राय ने कहा कि नदी के किनारे रिवर फ्रंट बनाने से नदी का अस्तित्व समाप्त होगा। हमे केवल नदी को नहीं देखना है, बल्कि उसके जल क्षेत्र को देखना है। इसके लिए दामोदर बचाओ आंदोलन जिला स्तर की कमेटी अपने अपने जिले के उपायुक्त को मांग पत्र सौपेंगी। साथ ही साथ छोटी-छोटी संगोष्ठी का आयोजन बस्ती स्तर पर करके लोगों के बीच जनजागरुकता लायी जाएगी। रिवर फ्रंट के तहत नदियों को क्रंकीट की संरचना से घेर दिया जाएगा, जो उसके जलक्षेत्र को कम कर देगा। बैठक की अध्यक्षता सुरेन्द्र प्रसाद सिन्हा ने की व संचालन अभय मुन्ना ने किया। बैठक में दामोदर बचाओ आदोलन के प्रदेश संयोजक प्रवीण कुमार सिंह, जे.के सिंह, कृष्णा राय, महेंद्र सिंह, विवेक आनंद, पंकज राय डॉक्टर पूर्णेन्दु गोस्वामी, उदय कुमार सिंह, बाल कृष्ण कुमार, मिथिलेश प्रसाद, अशोक कुमार कर्ण, लालू सिंह, रामाधार सिंह यादव, अनिल कुमार, दिलीप कुमार सिंह, शिव कुमार श्रीवास्तव, इस्लाम अंसारी, रामकिंकर माहथा, मुरली प्रसाद यादव, हरिशंकर पांडेय, जितेंद्र कुमार सिंह, राजनाथ यादव, अजय कुमार चौधरी, नवनीत सिंह, अजय चौहान, संजय सिंह, सुशील सिंह, हरिशंकर सिंह, बाल्मिकी प्रसाद सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हिंसा की आग में धधके तीन राज्य, तनाव

विशेष संवाददाता
पटना/रांची : भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव का त्योहार रामनवमी हर्ष और उल्लास से तो मनाया गया, लेकिन उसके बाद दो समुदायों के बीच के हिंसात्मक टकराव ने उल्लास को बवाल और हंगामे में बदल दिया। बंगाल और बिहार के बाद झारखंड में भी इस हिंसा की आग की धधक पहुंच गई। रामनवमी की शोभायात्रा पर पथराव-तोड़फोड़ और आगजनी के बाद बिहार में जहां ऐतिहासिक शहर बिहारशरीफ, सासाराम, और नालंदा हिंसा की आग में सुलग गए, वहीं झारखंड के पूर्वी सिंहभूम में हिंसा के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। सैकड़ों लोगों की भीड़ ने आसपास के रिहायशी इलाकों में घुसकर घरों और दुकानों पर पथराव किया। जमकर पथराव और फायरिंग हुई। दुकानों और वाहनों में आग लगा दी गई। तीनों ही राज्यों में तनाव की स्थिति पैदा हो गई है। बिहार में बिहारशरीफ और सासाराम में जमकर पथराव और फायरिंग हुई। इसमें सात लोगों के घायल होने की खबर है। वहीं, सासाराम में निकाली गई शोभायात्रा के दूसरे दिन भी जमकर हिंसा हुई। लोगों ने दुकानों और वाहनों में आग लगा दी।

बंगाल में हावड़ा के शिवपुर थाने के कांजीपाड़ा इलाके में 31 मार्च की दोपहर जुमे की नमाज के बाद हिंसा भड़क उठी। मुस्लिम बहुल इलाके में रामनवमी के दिन भी हिंसा हुई थी। समुदाय विशेष की भीड़ ने आसपास के रिहायशी इलाकों में घुसकर घरों और दुकानों पर पथराव किया। इसकी कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे है। हालात पर काबू पाने के लिए रैपिड एक्सशन फोर्स को बुलाना पड़ा। इस बीच पुलिस ने भी लाठीचार्ज किया और इलाके में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई। बंगाल में 30 मार्च को हुई हिंसा मामले में पुलिस ने अब तक 36 लोगों को गिरफ्तार किया है।

रामनवमी जुलूस पर हुई हिंसा की आग झारखंड में भी देखने को मिली। पूर्वी सिंहभूम जिला के पोटका प्रखंड स्थित हल्दीपोखर में दूसरे समुदाय के युवकों ने पथराव करना शुरू कर दिया। करीब 5 लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक अभी स्थिति शांतिपूर्ण है। पूर्वी सिंहभूम, उपायुक्त ने मामले की जानकारी देते हुए कहा, हल्दीपोखर और जिले के अन्य हिस्सों में स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में और शांतिपूर्ण है। पर्याप्त फोर्स तैनात कर दी गई है। फिलहाल धारा 144 लगाने की जरूरत नहीं है। स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

हिंसा में विजय बजरंग के महावीर झंडे को भी नुकसान पहुंचा। झंडे को नुकसान पहुंचने से विरोध और बढ़ गया। मुस्लिम समुदाय ने झंडे को रोकने के लिए पथराव करना शुरू कर दिया, जिससे दो गुटों के बीच भगदड़ मच गई। इस हिंसा में अंचल अधिकारी (सीओ) इम्तियाज अहमद, मुखिया देवी कुमारी भूमिज, जैप के दो हवलदार नंदलाल हाजरा व संदेश राम, हल्दीपोखर पश्चिम के पूर्व मुखिया सैयद जबीउल्लाह आदि घायल हो गए। पुलिस अधिकारी-जवान माहौल को शांत करने का प्रयास कर रहे थे, जबकि आसपास की छत पर तैनात पुलिसकर्मी पथराव की वीडियो बना रहे थे। इस पथराव में कई महिलाओं को भी चोट लगी।

मां सीता की 251 फीट ऊंची प्रतिमा लगाने को ले पहल तेज

सतीश कुमार झा
सीतामढ़ी : रामायण रिसर्च काउंसिल के तत्वावधान में माता सीताजी की 251 फीट प्रतिमा की स्थापना हेतु पहल तेज हो गई है। बुधवार को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ न्यास के सदस्य कामेश्वर चौपाल और राम मंदिर के भव्य निर्माण में लगे गुजरात के आर्किटेक्ट आशीष सोमपुरा सीतामढ़ी पहुंचकर राघोपुर बखरी स्थित संबंधित स्थल का दौरा किया। इस अवसर पर पटना आईआईटी के सीईओ डॉ. प्रवीण कुमार, सिविल विभाग के प्रमुख डॉ. वैभव सिंघल तथा आईआईटी में फेकल्टी डॉ. अमरनाथ हेगड़े भी मौजूद रहे। इस अवसर पर सीतामढ़ी के सांसद सुनील कुमार पिंटू ने सभी सदस्यों को संबंधित स्थल को दिखाते हुए पूरी कार्य-योजना से अवगत कराया तथा अब तक हुई प्रगति की जानकारी दी।

प्रमुख सदस्यों के स्थल एवं मठ का दौरा करने के पश्चात सांसद एवं काउंसिल के सदस्यों के साथ सर्किट हाउस में एक बैठक भी आयोजित हुई, जिसमें प्रस्तावित मंदिर एवं माता सीताजी की 251 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापना की दिशा में सारी तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। आर्किटेक्ट श्री सोमपुरा ने जल्द ही पूरी योजना एवं प्रारूप को साझा करने का आश्वासन दिया।

मिथिला डायरी

इस मौके पर श्रीभगवती सीता तीर्थ क्षेत्र समिति के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष कामेश्वर चौपाल ने कहा कि मां के इस भव्य मंदिर के लिए अब मिथिला समाज के साथ पूरे नारी समाज को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि वह सीता सखी समिति में माताओं एवं बहनों को जोड़ने के लिए सघन अभियान चलाएंगे। श्री चौपाल ने कहा कि मंदिर में प्रतिमा की स्थापना में कोई त्रुटि न रह जाए, इसके लिए वैदिक परंपरा के विद्वान संतों को समिति में वह जोड़ेंगे और मार्गदर्शन प्राप्त करेंगे। वहीं समिति के अध्यक्ष तथा स्थानीय सांसद सुनील कुमार पिंटू ने कहा कि इसकी पूरी रूपरेखा तैयार हो जाए, फिर सीतामढ़ी तथा आसपास के जिलों के लोगों को जोड़ने के लिए वह संपर्क अभियान भी चलाकर विस्तृत रूपरेखा से अवगत कराएंगे।

इस अवसर पर काउंसिल की ओर से मार्गदर्शक मंडल के सदस्य स्वामी राजेंद्रानंदजी महाराज, संयोजक देवरत्न शर्मा, उपाध्यक्ष कमल चिब, जयकांत सिंह, अमरेश मिश्र, प्रवक्ता जय दीक्षित, महासचिव कुमार सुशांत, प्रबंधक राजीव सिंह, शशांक सिंह, पीताम्बर मिश्र, रुपेश झा, संतोष सिंह, इंजीनियर पप्पू, शशि, राजेश समेत कई सदस्य मौजूद रहे।

राम के काज संभालने को धरती पर अवतरित हुए पवनसुत हनुमान

गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

हनुमान रुद्र के एकादश अवतार हैं। रूद के 10 अवतार 10 महाविद्या के एक रूप के साथ स्थित हैं, पर हनुमान अकेले हैं। जब श्रीराम अवतरित हुए तब उनके कार्यभार को संभालने के लिए हनुमान धरती पर आए। बिना उनके सहयोग के श्रीराम अपने उद्देश्य को कैसे प्राप्त करते? हनुमान के बिना राम राजा राम नहीं बन सकते थे। हनुमान रूप में शिव आये थे श्रीराम के कार्य संवारने के लिए, उनके शत्रुओं का संहार करने के लिए। इसीलिए तुलसीदास जी लिखते हैं-

सेवक स्वामी सखा सिय पी के
हेतु निरूपधि सब विधि तुलसी के।

यानी हनुमान जी रामायण में कर्ता भी हैं और द्रष्टा भी। परंतु एक प्रश्न फिर भी उठता है कि हनुमान का स्वरूप कपि की तरह क्यों है?

स्वयं हनुमान विभीषण जी से कहते हैं सुंदरकाण्ड में-

प्रात लेई जो नाम हमारा
तेहि दिन ताहि न मिलै अहारा

सुबह-सुबह जो कपि का नाम ले ले, उसे आहार नहीं मिलता है।

हनुमान का कपि शरीर वास्तव में एक रूपक है। बंदर मन का प्रतीक है। क्योंकि, उसकी प्रवृत्ति है कि वह उछल-कूद करता रहता है। श्रीराम का अर्थ रमना है, ब्रह्म में रम जाना राम है। पर रमने के मार्ग में बाधा बनकर मनुष्य का मन आता है।

हनुमान में एकाग्रता कूट-कूट कर भरी हुई है। राम के अलावा हनुमान के लिए हनुमान के लिए कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं है। इतिहास में एकमेव भक्त हनुमान हैं, जो अपना सीना चीर कर उसमें अपने इष्ट की मूरत दिखा सकते हैं। यही गुण हनुमान को अन्य भक्तों से अलग कर देता है, उन्हें संकटमोचक बना देता है।

भक्तों में हनुमान के समान और कोई दिखाई नहीं देता है, जो उन्हें भक्त शिरोमणि बना देता है। प्रह्लाद के लिए ईश्वर को आना पड़ता है उन्हें बचाने। अर्जुन को भगवान श्री कृष्ण को समझाना-बुझाना पड़ता है कि वह उनका कार्य करें। 18 अध्याय बोल देते हैं भगवान गीता के रूप में। मगर हनुमान तो स्व-प्रेरित (सेल्फ मोटिवेटेड) हैं।

प्रभु कारज लगि कपिहि बंधावा

प्रभु का कार्य हनुमान का कार्य है। अर्थात हनुमान ईश्वर को अनुमति देते हैं कि उनके माध्यम से सृष्टि के बड़े उद्देश्य सिद्ध हों। यह गुण हनुमान को सभी से अलग करके उन्हें प्रभु श्री राम का संकटमोचक बना देता है।

कौन सो संकट
मोर गरीब को
जो तुम उससे नहिं
जात है टारो

श्री राम के संकटों का नाश करने वाले हनुमान हर व्यक्ति के शत्रुओं का नाश करने में सक्षम हैं। बस! हनुमान को पाना है तो श्रीराम को बुलाना होगा। जो राम में रम गया, उसे हनुमान मिल ही जाते हैं।

शिव के एकादश रुद्र अवतार में हनुमान सहचरी विहीन हैं। फिर हनुमान शक्ति से जुड़े बिना कार्य कैसे कर रहे हैं? हनुमान में ब्रह्मचर्य की शक्ति है। यहां तक कि ब्रह्मचारियों में लंगोट बांधने की परंपरा हनुमान से आई है। हनुमान साक्षात उदाहरण हैं कुण्डलिनी शक्ति के ऊर्ध्व रोहण का। उनका शरीर को छोटा-बड़ा कर लेना, आठ सिद्धियों से युक्त, नौ प्रकार की निधियों का प्रभुत्व सब सिद्ध करते हैं। हनुमान जाग्रत, शक्तिमान भक्त हैं।

06 अप्रैल : हनुमान जयंती पर विशेष

शाश्वत अमर हैं हनुमान

भगवान सूर्य ने हनुमान जी को अपने तेज का सौवां भाग देते हुए कहा कि जब इसमें शास्त्र अध्ययन करने की शक्ति आ जाएगी, तब मैं ही इसे शास्त्रों का ज्ञान दूंगा, जिससे यह अच्छा वक्ता होगा और शास्त्र ज्ञान में इसकी समानता करने वाला कोई नहीं होगा।

धर्मराज यम ने हनुमान जी को वरदान दिया कि मेरे दंड से अवध्य और निरोग होगा।

यक्षराज कुबेर ने वरदान दिया कि इस बालक को युद्ध में कभी विषाद नहीं होगा तथा मेरी गदा संग्राम में भी इसका वध न कर सकेगी।

भगवान शंकर ने यह वरदान दिया कि यह मेरे और मेरे शस्त्रों द्वारा भी अवध्य रहेगा।

देव शिल्पी विश्वकर्मा ने वरदान दिया कि मेरे बनाए हुए जितने भी शस्त्र हैं, उनसे यह अवध्य रहेगा और चिरंजीवी होगा।

देवराज इंद्र ने हनुमान जी को यह वरदान दिया कि यह बालक आज से मेरे वज्र द्वारा भी अवध्य रहेगा।

जल देवता वरुण ने यह वरदान दिया कि दस लाख वर्ष की आयु हो जाने पर भी मेरे पाश और जल से इस बालक की मृत्यु नहीं होगी। परम पिता ब्रह्मा ने हनुमान जी को वरदान दिया कि यह बालक दीघार्यु, महात्मा और सभी प्रकार के ब्रह्मदण्डों से अवध्य होगा। युद्ध में कोई भी से जीत नहीं पाएगा। यह इच्छा अनुसार रूप धारण कर सकेगा। जहां चाहेगा, जा सकेगा। इसकी गति इसकी इच्छा के अनुसार तीव्र या मंद हो जाएगी। इसके अलावा जब हनुमान जी माता सीता को खोजते हुए अशोक वाटिका पहुंचे थे, तब माता सीता ने उन्हें अमरता का वरदान दिया था।

सर्वव्यापी हैं हनुमान

आज पृथ्वी पर अर्थ और काम, धर्म से नियंत्रित नहीं है, जिसके कारण ही विभिन्न दोष पुष्पित-पल्लवित और फलित हो रहे हैं, जिनमें फंसकर व्यक्ति, देश राष्ट्र व समाज के प्रति अपने कर्तव्य से विमुख होता जा रहा है और जो थोड़ी-बहुत आध्यात्मिकता का अंश मात्र शेष बचा है, वह भी झूठे, ढोंगी पाखंडियों की दुष्ट प्रवृत्तियों के कारण नष्ट होता जा रहा है। ऐसी दुःखद स्थिति में, जबकि चारों ओर दुष्ट प्रवृत्तियों का ही बोलबाला है और व्यक्ति पतन की गर्त में धंसता ही चला जा रहा है, ऐसे में उसके लिए तथा समाज व देश के हितार्थ हनुमान साधना सिद्धि परम आवश्यक मानी गई है।

चारों पुरुषार्थ- धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष को नियंत्रित करने की क्षमता श्री हनुमान की उपासना से ही प्राप्त होती है। क्योंकि, वह अष्ट सिद्धियों व नव निधियों के दाता हैं। कुमति को समाप्त करने वाले हैं, सुमति को प्रदान करने वाले हैं। श्री हनुमान जन्म और मृत्यु के भय को समाप्त कर संपूर्ण कष्टों व बाधाओं का हरण करने वाले हैं। भूत-प्रेत, राक्षस आदि श्री हनुमान के नाम के प्रताप से ही भाग जाते हैं और मनुष्य भय रहित हो जाता है। श्री हनुमान अपने भक्तों का क्लेश दूर करने के लिए दारुण दावानल के समान हैं, सर्व काम पूरक हैं, संकट रूपी प्रलय घनघटा को विदीर्ण करने वाले और सर्वव्यापी हैं। ऐसे देव की साधना-उपासना करना ही सर्वश्रेष्ठ सौभाग्य की प्राप्ति है। **(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)**

ये तीखापन दिल के लिए अच्छा है... जानिए हरी मिर्च खाने के फायदे

हरी मिर्च के बिना जैसे लगता है खाना पूरा ही नहीं हुआ। भारतीय खाने में तो इसकी मौजूदगी तो तय है, क्योंकि यह खाने को चटपटा और स्वादिष्ट बनाने में पूरा सहयोग करती है। भोजन को लजीज बनाने वाली इस मिर्च के सेहत के मामले भी बड़े फायदे हैं, आइए जानते हैं-

स्किन डिजीज - हरी मिर्च में भरपूर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है, जो स्किन के लिए बहुत अच्छा माना जाता है।

दाग-धब्बे - हरी मिर्च में फाइटोन्यूट्रिएंट्स भी होते हैं जो त्वचा के दाग धब्बों को दूर करने में मदद करते हैं।

पाचन-तंत्र - हरी मिर्च आपके डाइजेस्टिव सिस्टम को भी अच्छी बनाती हैं. साथ ही यह तनाव को कम करने में भी सहायक होती हैं।

हार्ट डिजीज व डायबिटीज - इसमें पाया जाने वाला कैप्साइसिन न सिर्फ दिल की बीमारियों के लिए अच्छा है, बल्कि डायबिटीज के लिए भी बहुत अच्छा माना जाता है।

साइनस - इससे साइनस की भी समस्या से निजात मिलती है। इसके अलावा इसमें विटामिन ए, पोटेशियम, मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं।

अधिक खाने के नुकसान

बहुत अधिक मात्रा में हरी मिर्च खाने से शरीर में टॉक्सिन्स बढ़ भी सकते हैं। ज्यादा हरी मिर्च खाने से पेट में जिस तरह का कैमिकल रिएक्शन होता है वो पेट में जलन, सूजन आदि पैदा कर सकता है। इससे आपको फूड सेंसिटिविटी भी होती है। एसिडिटी का कारण भी हरी मिर्च हो सकती है।

- प्रस्तुति : गंगेश

सच्ची कहानी: मूर्ख दिवस का उपहार

-डॉ. सविता मिश्रा मागधी
बंगलुरू, मो.- 8618093357

पद्मा समझ न पा रही थीं कि क्या करें। दहाड़ मारकर रोएं, चीखें, चिल्लाएं या अपना सिर पत्थर पर फोड़ लें। पति की लंबी बीमारी और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में घर की सारी जमा पूंजी उड़ गई थी। पति के न रहने पर रिश्तेदारों से भी उधार लेती गई। लौटाने के दिन कभी न लौटे। हालत यह हो गई थी कि उन्हें लालची समझ सभी ने उनसे मुख मोड़ लिया था। अब उनके सुख-दुख से किसी को कुछ लेना-देना न था। तीन बच्चे, दो बेटी एक बेटा। पिता के मरते ही, संपन्न घर में ब्याही लड़कियों ने कानूनी अधिकार दिखाते हुए बंटवारा करा लिया और अपना हिस्सा बेच रफ्फू-चक्कर हो गईं। एक बड़ा हिस्सा अधिकार से निकल जाने के कारण बेटा-बहू आहत हो, उन्हें ही वृद्धाश्रम का रास्ता दिखा दिया।

वृद्धाश्रम के अपने नियम-कानून थे। जिससे वे बंध न पाईं। वहां से निकल पीजी में शिफ्ट हो गईं। दोस्तों की मदद और अपने गले की मोटी चेन बेच, शहर के किनारे चाय की एक छोटी-सी दुकान खोल लीं। जैसे-जैसे पैसे से मजबूर होती गईं, दोनों घुटने जवाब देने लगे थे। डॉक्टर ने एक घुटना ट्रांसप्लांट का खर्च दो लाख बताया। कुछ अपनी जमा पूंजी, कुछ दोस्तों से रो-गाकर सवा दो लाख इकट्ठा कर लीं। डॉक्टर ने पांच मई की तारीख दी थी। 29 मार्च को उन्हें ढूंढता हुआ उनका बेटा आया। ममत्व में सारे गिले-शिकवे घुल बह गए। दो दिन मां के साथ साए की तरह लगा रहा। उनकी चाय की दुकान में भी मदद करता रहा। एक अप्रैल की सुबह बोला, 'मां मेरे सिर में दर्द है। तुम दुकान जाओ। मैं एक-दो घंटे में पहुंचता हूं। देख रहा हूं, तुम्हारी सभी साड़ियां पुरानी हो गई है। तुम फिक्र न करो, आज मैं तुम्हारे लिए एक अच्छी सी साड़ी लाऊंगा।' जब दस बजे तक बेटा न आया तो उन्होंने फोन घुमाया। फोन स्विच ऑफ था। दुकान बंद कर वह पीजी भागीं। रास्ते भर बेटे की खैरियत मनाती गईं।

संदूक का ताला टूटा देख उनकी खैरियत क्षोभ में बदल गई। सारे कपड़े बिथरे थे और पैसे अलोप। हां, एक पत्र आंखें फाड़े उनकी ओर देख रहा था। कांपते हाथों से उन्होंने पत्र उठाया, जिसमें लिखा था, 'मां, नाराज न होना। पापा की बीमारी और बहनों की हिस्सेदारी ने मुझे तोड़कर रख दिया। इतने बड़े शहर में मैं अपना परिवार नहीं चला पा रहा था। अतः परिवार के साथ दो वर्ष पहले ही दूसरे राज्य में शिफ्ट हो गया हूं।

यहां का फ्लैट बेच वहां एक बड़ा सा घर खरीद लिया है। घर से ऑफिस की दूरी बहुत है। मुझे एक बाइक की सख्त जरूरत है। बस या ऑटो से ऑफिस आने-जाने में बहुत समय लगता है और खर्च भी बहुत होता है। तुम्हारी पोती एक न्यू स्कूटी के लिए जिद्द पर अड़ी है। उसकी सभी सखियां स्कूटी से कॉलेज आती-जातीं है। उसमें हीन भावना नहीं आनी चाहिए। मैं तो केवल स्कूटी के लिए तुम्हारी चेन और कान की बाली लेने आया था। वैसे तो मैं पुरानी बाइक लेने की सोच रहा था, अब तुम्हारे आशीर्वाद से मेरे पास भी न्यू बाइक हो जाएगी। तुम अपने घुटने का ट्रांसप्लांट एक साल बाद भी कराओगी तो कुछ न बिगड़ेगा। फिर तुम्हारे दोस्त तुम्हारी मदद करते ही हैं। हमसब पर अपना आशीर्वाद बनाए रखना।
तुम्हारा बेटा
प्रकाश

पत्र पढ़ अर्द्ध मूर्छित हो गई पद्मा, बेटे द्वारा मूर्ख दिवस का उपहार पाकर। वह प्रकाश जो उनके जीवन में अंधकार भर गया था।

सीसीएल ने अब तक का सर्वाधिक उत्पादन कर पूरा किया अपना लक्ष्य

कारोबार... कोयला उत्पादन, प्रेषण सहित कई क्षेत्रों में बनाया रिकार्ड

विशेष संवाददाता

रांची : सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में अपना अभूतपूर्व प्रदर्शन जारी रखते हुए आज तक का सर्वाधिक 76.09 मिलियन टन (एमटी) कोयला उत्पादन कर इतिहास रच दिया है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 11% की वृद्धि है। इस स्वर्णिम प्रदर्शन में सीसीएल के आम्रपाली परियोजना 18 एमटी, मगध परियोजना 15.6 एमटी सहित सभी क्षेत्रों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सीसीएल ने कोयला प्रेषण में भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पिछले सारे कीर्तिमान तोड़ते हुए 75.03 एमटी कोयला प्रेषण किया जो पिछले रिकार्ड से 4.5% अधिक है। साथ ही साथ ओबी रिमुवल में भी 107 मिलियन क्यूबिक मीटर ओवर बर्डेन की निकासी कर कीर्तिमान बनाया है।

सीएमडी सीसीएल पीएम प्रसाद ने शानदार प्रदर्शन पर बधाई देते हुये कहा कि कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी के मार्गदर्शन, कोयला सचिव अमृत लाल मीणा तथा अध्यक्ष सीआईएल प्रमोद अग्रवाल के नेतृत्व में सीसीएल ने अपने उत्पादन लक्ष्य 76 मिलियन टन (एमटी) को पार करते हुए 76.09 एमटी हासिल किया। उन्होंने सहयोग के लिए राज्य सरकार और जिला प्रशासन का भी आभार व्यक्त किया। साथ ही कंपनी की सफलता में ट्रेड यूनियन प्रतिनिधियों, जन प्रतिनिधियों, हितधारकों एवं प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुडे सभी लोगों के योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने सीसीएल की पूरी टीम को बधाई देते हुये कहा कि यह कंपनी की स्थापना के बाद से आज तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

पिछले वित्तीय वर्ष में सीसीएल ने भूमि अधिग्रहण के क्रम में 161 लाभार्थियों को स्थायी रोजगार मूहैया कराया है। इसी तरह सीसीएल ने कार्बन उत्सर्जन कम करने के दिशा में कार्य करते हुये पिपरवार क्षेत्र में लगभग 143 करोड़ के लागत से 20 मेगावाट सौर उर्जा प्लांट स्थापना करने जा रहा है। कमांड क्षेत्रों में पिछले वर्ष 178.85 हेक्टेयर क्षेत्र में 3 लाख 75 हजार से अधिक पौधारोपण किया गया है।

विगत वित्तीय वर्ष सीसीएल के लिए अविस्मरणीय साल रहा है। इस साल कोल इंडिया लिमिटेड के तत्वाधान में सीसीएल द्वारा ऐतिहासिक कोल इंडिया मैराथन का आयोजन किया गया जिसमें देशभर के लगभग 6000 धावकों ने हिस्सा लेकर इस मैराथन को सफल बनाया। सीसीएल द्वारा समाज के कल्याण और समग्र विकास के लिए अनेक योजनाएं संचालित किया जा रहा है। इसी कड़ी में सीसीएल द्वारा लगभग 65 करोड़ की लागत से रांची विश्वविद्यालय परिसर में पांच हजार सिटों वाली एक सेन्ट्रल लाइब्रेरी का निर्माण जल्द ही किया जायेगा।

होंडा ने उतारी एसपी 125

बाजार में नया

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अपडेटेड होंडा एसपी 125 को भारत में लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने 125सीसी की प्रीमियम कम्यूटर मोटरसाइकिल में फुली डिजिटल मीटर और बीएस6 फेज-2 के नए एमिशन नॉर्म्स के अनुसार ओबीडी-2 कंप्लाइंट इंजन दिया है। बाइक ई-20 पेट्रोल पर भी दौड़ेगी। कंपनी ने बाइक को दो वैरिएंट में पेश किया है। एक्स-शो रूम कीमतों पर गौर करें, तो इसके अलॉय व्हील्स के साथ फ्रंट ड्रम ब्रेक वैरिएंट की कीमत 85,131 रुपए है और अलॉय वैरिएंट वाले फ्रंट डिस्क ब्रेक की कीमत 89,131 रुपए है। बाइक इपीरियल रेड मैटेलिक, ब्लैक, मैट एक्सिस ग्रे मैटेलिक, पर्ल सायरन ब्लू, और मैट मार्वल ब्लू मैटेलिक कलर ऑप्शन के साथ आती है।

चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल
ये वनवासी वन के भीतर
उनकी निर्भरता है वन पर
जीवन में वन घुला हुआ है
जंगल समझो तुला हुआ है
जन्म-मरण सब कथा-कहानी
वन से चल वन तक ही जानी, यार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल
बैगा हैं, पाहन हैं वन में
मंतरिया, डायन हैं वन में
कुछ रहस्य हैं, कुछ अज्ञान
लेता वन सबका संज्ञान
जंगल तो उत्सवजीवी हैं
हर मौके पर उत्सव की झंकार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल

(क्रमशः)

कुमार मनीष अरविन्द

पेज- एक का शेष

सावधान, निर्वाचन कार्यालय...

संयंत्र के डायरेक्टर इंचार्ज बृजेन्द्र प्रताप सिंह, सेल निदेशक (वाणिज्यिक) वी. श्रीनिवास चक्रवर्ती, सेल के अधिशासी निदेशक जगदीश अरोड़ा, मोविल लिमिटेड के डायरेक्टर फायनेंस राकेश तुमाने, एनएमडीसी के डायरेक्टर फाइनेंस अमिताभ मुखर्जी, भारतीय रेलवे के प्रिंसिपल चीफ मटेरियल मैनेजर अशोक कुमार वर्मा और एडिशनल जनरल मैनेजर इंडियन रेलवे यतीन्द्र कुमार शामिल हैं।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा दामिनी प्रिन्टर्स, जेब्री.- 12, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बोकारो से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)

रक्षा-क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर नए कदम

अगली पीढ़ी के 11 समुद्रगामी गश्ती युद्धपोतों और 6 मिसाइल वाहक जहाजों के अधिग्रहण को ले 19,600 करोड़ के अनुबंध पर हस्ताक्षर

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : रक्षा मंत्रालय ने रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' का लक्ष्य हासिल करने हेतु भारतीय नौसेना की आवश्यकतानुसार एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अगली पीढ़ी के 11 समुद्रगामी गश्ती युद्धपोतों और 6 मिसाइल वाहक जहाजों के अधिग्रहण के लिए भारतीय शिपयार्ड के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सौदे की कुल लागत लगभग 19,600 करोड़ रुपये आंकी गई है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार अगली पीढ़ी के 11 समुद्रगामी गश्ती युद्धपोतों के अधिग्रहण के लिए होने वाली खरीद कुल 9,781 करोड़ रुपये की लागत से भारतीय-आईडीडीएम श्रेणी के तहत निर्माण हेतु की जा रही है। इस अनुबंध पर गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) और कोलकाता के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) के साथ हस्ताक्षर किए गए हैं। इन 11 जहाजों में से सात को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा और चार को गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स द्वारा स्वदेशी रूप से अभिकल्पित, विकसित तथा तैयार किया जाएगा। इन युद्धपोतों को भारतीय नौसेना को इस्तेमाल के लिए सितंबर 2026 से सौंपना शुरू किया जायेगा।

'आत्मनिर्भर भारत' के गौरवशाली ध्वजवाहक

इन युद्धपोतों के स्वदेशी निर्माण से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम सहित भारतीय जलपोत निर्माण एवं उनसे संबद्ध उद्योगों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा। स्वदेशी निमार्ताओं से प्राप्त अधिकांश उपकरणों और प्रणालियों के साथ ये युद्धपोत 'आत्मनिर्भर भारत' के गौरवशाली ध्वजवाहक बनेंगे।

समुद्री डकैती से मुकाबले और घुसपैठ रोकने में सहायक

इन नौसैन्य जहाजों के अधिग्रहण से भारतीय नौसेना को अपनी लड़ाकू क्षमता को विस्तार देने और विभिन्न परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता मिलेगी। इनमें समुद्री डकैती का मुकाबला करना, गैरकानूनी व्यापार पर नियंत्रण, घुसपैठ पर रोक लगाना, अनधिकृत जलीय शिकार को रोकना, गैर-लड़ाकू निकास गतिविधि संचालन, तलाश और बचाव (एसएआर) अभियान व खुले समुद्र में उपस्थित परिसंपत्तियों की सुरक्षा आदि शामिल हैं। इन जलपोतों के निर्माण से साढ़े सात साल की अवधि में कुल 110 लाख मानव-दिवस रोजगार अवसर सृजित होंगे।

अगली पीढ़ी के मिसाइल वाहक जहाज

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) के साथ 9,805 करोड़ रुपये की लागत से अगली पीढ़ी के 6 मिसाइल वाहक जहाजों (एनजीएमवी) के अधिग्रहण के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इन युद्धपोतों को मार्च 2027 से भारतीय नौसेना को सौंपना शुरू कर दिया जाएगा। ये अगली पीढ़ी के मिसाइल वाहक जहाज रडार से बचने में सक्षम, तेज गति वाले और काफी आक्रामक क्षमता के साथ भारी हथियारों से लैस पोत होंगे। मोटे तौर पर इन जहाजों की प्राथमिक भूमिका दुश्मन के युद्धपोतों, अवैध व्यापारी जहाजों और सतही ठिकानों के खिलाफ अपनी रक्षात्मक आक्रामक क्षमता प्रदर्शित करना होगी।

शक्तिशाली हथियार के रूप में होगी तैनाती

ये जहाज समुद्री हमले वाली कार्रवाइयों को पूरा करने में सक्षम तथा समुद्र के साथ-साथ बड़े सतही हमलों को अंजाम देने में सहायक होंगे। ये युद्धपोत दुश्मन के जहाजों से निपटने के लिए विशेष रूप से चोक पॉइंट्स पर समुद्र में रोक लगाने के एक शक्तिशाली हथियार के रूप में तैनात होंगे। रक्षात्मक भूमिका में इन जहाजों को स्थानीय नौसेना रक्षा संचालन और अपतटीय विकास क्षेत्र के लिए समुद्री रक्षा के अन्य उद्देश्यों की पूर्ति हेतु भी प्रयुक्त किया जाएगा। इन जहाजों के निर्माण से नौ वर्षों की अवधि में कुल 45 लाख मानव-दिवस का रोजगार सृजन होगा।

CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY
शिवम् हॉस्पीटल में
सेल के रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए
मोतियाबिन्द का ऑपरेशन
एवं लेंस लगाया जाता है।

E-2, LAXMI MARKET, SECTOR-4, B.S.CITY-827004
PH: 06542-232623/233475, MOB: 7488090631